विपश्यना साधना

सयाजी ऊ बा खिन की परंपरा में श्री सत्यनारायण गोयन्काजी द्वारा प्रशिक्षित

आवेदन पत्र

दीर्घ शिविर, आचार्य स्वयं शिविर, विशेष दस दिवसीय शिविर

विशेष दस-दिवसीय शिविर, दीर्घ शिविर तथा आचार्य स्वयं शिविर विपश्यना साधना का गहराई से और गंभीरतापूर्वक अभ्यास करने के सुअवसर हैं। इनका पूरा लाभ लेने के लिए साधक को साधना विधि में पूरा विश्वास होना तथा केवल पूज्य गुरुजी एवं उनके द्वारा नियुक्त सहायक आचार्यों के मार्गदर्शन में पूर्णतः समर्पित भाव से काम करने का संकल्प होना परम आवश्यक है। इस विधि की गहराइयों तक साधक तब ही जा पाएगा, जब कि उसकी आचार्य और विधि की खोज पूरी हो चुकी हो। साथ ही साधना के अभ्यास का पर्याप्त अनुभव भी होना चाहिए।

जिन साधकों को अभी इतना आत्मविश्वास न हो पाया हो, या जो आवश्यक अनबंध के लिए तैयार न हों, या जिनमें विधि के प्रति अनन्य भाव न हो अथवा अभी अभ्यास में परिपुष्ट न हुए हों, उनको चाहिए कि वे दस दिन के शिविरों में ही भाग लें। लगातार दस-दिवसीय शिविरों में बैठना भी साधना की गहराई में सहायक होता है।

अति उत्साह के कारण कुछ एक पराने साधक गत वर्षों में दीर्घ शिविरों में बैठे, जिनके लिए वे परिपक्व नहीं हुए थे, और उन्ह बीच में ही शिविर छोड़ना पड़ा। कुछ साधकों ने आवेदन पत्र में अपनी गंभीर कठिनाइयों को जानबूझकर इसलिए छुपाया ताकि उनके आवेदन स्वीकार हों, जिसके परिणामस्वरूप उनकी कठिनाइयां और अधिक गंभीर हो गइ। इस प्रकार लाभ लेने के बजाय उन्होंने अपने लिए समस्या खड़ी कर ली । अतः आवेदन करने के पूर्व ही अपने आपको अच्छी तरह जांच लें कि लंबे समय तक गंभीरतापूर्वक साधना कर पायेंगे या नहीं । यदि हां तो निम्नलिखित प्रश्नों का पूरे विवरण के साथ उत्तर दें वैसे ही जैसे आप अपने चिकित्सक को उसके प्रश्नों का उत्तर देते ह। सारी जानकारी गोपनीय रखी जायगी।

कृपया स्पष्ट अक्षरों में लिखें या टाईप करें

शिविर का प्रकार: _____

स्थान: _____ शिविर की तिथि: _____

पूरा नाम: _____

पुरुष/महिला: _____ उम्र: _____ जन्म तिथि: _____

पता: _____

_____

_____ पिनकोड: ☐☐☐☐☐☐

हाल के फोटो

फोनः निवास: _____ कार्यालय: _____

मोबाइल: _____ ई-मेल: _____

शिक्षा: _____ व्यवसाय: _____

कंपनी का नाम: _____ पद: _____

केवल स. आचार्य के लिए: आपको नियुक्ति का वर्ष: _____

---

१. क्या आप पूज्य गुरुजी एवं उनके द्वारा प्राधिकृत सहायक आचार्यों द्वारा सिखाई गयी विपश्यना साधना के प्रति पूर्णरूप से समर्पित हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

---

२. विगत दो वर्षों में क्या आप केवल पूज्य गुरुजी एवं उनके द्वारा नियुक्त सहायक आचार्यों द्वारा सिखाई गयी विपश्यना साधना का अभ्यास करते रहे हैं बिना किसी अन्य परंपरा के आध्यात्मिक गुरु/आचार्य के संपर्क में आए अथवा किसी अन्य ध्यान विधियां या उर्जा पर आधारित विधियां जैसे, रेकी, क्वी कोंग (Qi-Qong), प्राणिक चिकित्सा होलिंग का अभ्यास किये? हाँ ☐ नहीं ☐

३. नियमित रूप से प्रतिदिन विपश्यना साधना का अर्थ है सुबह-शाम एक-एक घंटे दो बार साधना करना। आप कितने वर्षों से नियमित रूप से विपश्यना साधना कर रहे हैं?

४. अभ्यास का अभिन्न अंग है दैनिक जीवन में पांच शीलों का पालन करना जैसे--

(अ) जानबूझ कर प्राणी हिंसा से विरत रहना

(ब) चोरी करने से विरत रहना

(क) व्यभिचार करने से विरत रहना अर्थात एक ही व्यक्ति के प्रति जीवन पर्यन्त समर्पित होना अथवा पूर्ण रूप से ब्रह्मचारी होना*

(ख) मिथ्यावाणी से विरत रहना

(ग) नशे-पते के सेवन से पूरी तरह विरत रहना

* यह अपेक्षा की जाती है कि एक साधक दीर्घ शिविर हेतु आवेदन करते समय वैसी आदतों से पूरी तरह मुक्त हो गया हो जो वासना को उभारती हैं तथा बढ़ावा देती हैं।

हाँ ☐ नहीं ☐

- गत वर्ष में आप क्या उपरोक्त पांच शीलों का, बिना किसी बड़े रूप से उल्लंघन किये पालन कर पाये हैं? हाँ ☐ नहीं ☐
- गत वर्ष में आप ऊपरवर्णित व्यभिचार से विरत रह पाये हैं? हाँ ☐ नहीं ☐
  ** यदि आपका तलाक हुआ है तो पिछले एक साल तक ब्रह्मचर्य का पालन करना अनिवार्य है।
- गत वर्ष क्या आप नशे-पते के सेवन से विरत रह पाये हैं अथवा इनका बिल्कुल सेवन नहीं किया है? हाँ ☐ नहीं ☐

शिविर के लिये आवश्यकताएंः

समर्पण	सयाजी ऊ बा खिन की परंपरा में श्री सत्यनारायण गोयन्काजी द्वारा प्रशिक्षित इस विपश्यना विधि के प्रति पूर्णरूप से समर्पित
शील	प्राणी हिंसा, व्यभिचार, नशे-पते के सेवन से विरत रहना तथा अन्य शीलों का भी कम से कम एक वर्ष स यथाशक्ति पालन करना
अभ्यास की नियमितता	विगत दो वर्षों से एक-एक घंटा सुबह-शाम साधना

शिविर	आवश्यक शिविर संख्या	कम से कम नियमित अभ्यास	टिप्पणी
२०-दिवसीय	सफलता-पूर्वक सम्पन्नः पांच दस-दिवसीय तथा एक सतिपट्ठान शिविर, कम से कम एक दस-दिवसीय शिविर में धर्मसेवा	२ वर्ष	अल्पकालिक साधकों को अनुमति नहीं दी जायगी, विवाहित/विवाहिता के लिये पति/पत्नी का सहयोग आवश्यक, दीर्घ शिविरों के बीच छह महीने का अन्तराल, दीर्घ शिविर और अन्य शिविरों के बीच १० दिन का अन्तराल ।
३०-दिवसीय	कम से कम एक २०-दिवसीय शिविर को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया हो; **प्रथम ३०-दिवसीय शिविर के लिए – एक २०-दिवसीय शिविर को सम्पन्न करने के बाद एक दस-दिवसीय शिविर को पूरा करना।**	२ वर्ष	अल्पकालिक साधकों को अनुमति नहीं दी जायगी, विवाहित/विवाहिता के लिये पति/पत्नी का सहयोग आवश्यक, दीर्घ शिविरों के बीच छह महीने का अन्तराल, दीर्घ शिविर और अन्य शिविरों के बीच १० दिन का अन्तराल ।
४५-दिवसीय	कम से कम दो तीस दिवसीय शिविरों को सफलतापूर्वक सम्पन्न, सिर्फ सहायक आचार्यों तथा धर्मसेवा से जुड़े लोगों तक ही प्रवेश सीमित **प्रथम ४५ दिवसीय शिविर के लिए-- ३०-दिवसीय शिविर को पूरा करने के बाद एक दस-दिवसीय शिविर को पूरा करना।**	३ वर्ष	अल्पकालिक साधकों को अनुमति नहीं दी जायगी, विवाहित/विवाहिता के लिये पति/पत्नी का सहयोग आवश्यक, दीर्घ शिविरों के बीच छह महीने का अन्तराल, दीर्घ शिविर और अन्य शिविरों के बीच १० दिन का अन्तराल, इसमें प्रवेश अस्थायी रूप से दिया जाता है और अंतिम निर्णय संचालक आचार्य २९ वें दिन करते हैं ।
६०-दिवसीय	कम से कम दो ४५-दिवसीय शिविर को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया हो; प्रवेश सहायक आचार्यों तथा धर्मसेवा से गंभीर रूप से जुड़े लोगों तक ही सीमित	५ वर्ष	अल्पकालिक साधकों को अनुमति नहीं दी जायगी, विवाहित/विवाहिता के लिये पति/पत्नी का सहयोग आवश्यक, दीर्घ शिविर और अन्य शिविरों के बीच १० दिन का अन्तराल ।
आचार्य स्वयं शिविर	आवश्यकताएं हर वर्ष बदल सकती हैं ।		
विशेष १०-दिवसीय	आवश्यकताएं २०-दिवसीय शिविर के जैसे हो ह, परंतु यह दीर्घ शिविर नहीं है तथा दीर्घ शिविरों के बीच छह महीने का अन्तराल होने की आवश्यकता यहा लागू नहीं होगी।		

५. जिस शिविर के लिए आप आवेदन कर रहे हैं उसके लिए आप क्या सभी ऊपर लिखित आवश्यकताएं पूरी करते हैं? यदि नहीं तो कृपया कारण दें हाँ ☐ नहीं ☐

कृपया अपने शिविर करने के अनुभव को सविस्तार लिखें			
	दिनांक	**स्थान**	**आचार्य**
प्रथम शिविर	_____ से _____ तक		
अन्तिम शिविर	_____ से _____ तक		
अन्तिम दीर्घ शिविर	_____ से _____ तक		

भाग लिए शिविरों की संख्या		
१०-दिवसीय:	३०-दिवसीय:	स्वयं शिविर:
सतिपट्ठान:	४५-दिवसीय:	धर्मसेवा:
२०-दिवसीय:	६०-दिवसीय:	
विशेष दस-दिवसीय शिविर:	आचार्य स्वयं शिविर (अवधि लिखें):	

६. अगर आप किसी व्यक्ति के प्रति जीवन पर्यन्त समर्पित हैं तो

पति/पत्नी का नाम: _____

- क्या आप के संबंध सद्भावपूर्ण हैं? हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या आपके पति/पत्नी आपके शिविर में बैठने के पक्ष में हैं? हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या आपके पति/पत्नी इस परंपरा में विपश्यना साधना करते/करती हैं? हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या आपके पति/पत्नी पूज्य गुरुजी द्वारा जो विपश्यना विधि सिखायी जाती है उसके अतिरिक्त कोई और साधना विधि करते/करती हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

७. क्या आपको अभी कोई शारीरिक या मानसिक रोग है या पहले कभी था? अगर 'हां' तो तिथि सहित विवरण दें।

- क्या आप अभी कोई दवा ले रहे हैं? (डा. के अनुसार- एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक या प्राकृतिक) अगर 'हां' तो उसका विवरण और खुराक के बारे में लिखें। हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या आप को कभी किसी शिविर के लिये अनुमति नहीं दी गयी थी या कभी किसी कारण से शिविर छोड़ कर जाना पड़ा था? अगर 'हां' तो विवरण दें। हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या शिविर संचालन करनेवाले आचार्य ने आपको कभी बहिर्मुखी बनाया था, शिविर के दौरान कुछ अवधि के लिए साधना करने से रोका था? अगर 'हां' तो विवरण दें। हाँ ☐ नहीं ☐
- कोई विशेष कठिनाई जिनका सामना आपको शिविर के दौरान करना पड़ सकता है? हाँ ☐ नहीं ☐
- क्या गत वर्ष आपके परिवार में कोई दु:खद घटना घटी जिसका मन पर गहरा प्रभाव पड़ा हो जैसे कि परिवार में कोई मुत्यु/बीमारी या अन्य कोई ऐसी घटना हुई है? अगर हां तो तिथि सहित विवरण दें। हाँ ☐ नहीं ☐

ऊपरलिखित प्रश्न के उत्तर हाँ हो तो अलग पन्ने पर लिखें।

८. इस शिविर के लिए आपको कोई विशेष आवश्यकता है? कृपया कारण बताएं।

९. आप जितनी भाषाएं ठीक से जानते हैं उनकी सूची दें।

१०. कोई और सूचना जो आप देना चाहते हैं।

११. आप केन्द्र पर कब आना चाहते हैं, दीर्घ शिविर के लिए विदेशों से आनेवाले साधकों को शिविर प्रारंभ होने के २४ घंटे पहले आ जाना चाहिए।

आवेदन पत्र में दी गई जानकारी शिविर आरंभ होने के समय भी सही-सही होनी चाहिए। अगर ऊपर दी गयी जानकरी में कोई परिवतन हो तो आप शीघ्र ही संचालन करने वाले आचार्य (या केन्द्र व्यवस्थापक) को बता दें। अगर आप सूचित नहीं करते हैं तो केन्द्र पर आ जाने के बाद भी आप को प्रवेश नहीं मिल सकता है।

हस्ताक्षर: _____ तिथि: _____

महत्त्वपूर्णः आप इस आवेदन पत्र को सहायक आचार्य के पास, जो आपको अच्छी तरह जानते हैं, उन्ह भेज दें। अगर कोई न मिले तो इस आवेदन पत्र को अपने स्थानीय आचार्य के पास भेज दें और इस बात को पहले से जान ल कि आपकी जब व्यक्तिगत रूप से या टेलोफोन से मुलाकात हो जायगी तभी आपका आवेदन पत्र पूर्ण माना जायगा। आप सुनिश्चित कर कि सम्पर्क करने के लिये आपने टेलीफोन नंबर दे दिया है।

कार्यालय में जांच आदि के लिए आवेदन पत्र काफी पहले देना आवश्यक है। **कृपया इस बात को समझ लें कि निर्धारित आवश्यकताएं होने का अर्थ प्रवेश की गारंटी नहीं है।** संचालन करनेवाले आचार्य या केन्द्र समन्वयक आचार्य आपके आवेदन का पुनरावलोकन कर अन्तिम निर्णय लेंगे। आचार्य स्वयं शिविर के लिए पूज्य गुरुजी का अनुमोदन अंतिम होगा।

नोटः सहायक आचार्य कृपया इस आवेदन पत्र को लेकर उसे प्रादेशिक/क्षेत्रीय आचार्य को भेंज दें।

सिफ़ारिश करनेवाले सहायक आचार्य द्वारा भरा जाना चाहिए

क्या आप आवेदक को अच्छी तरह जानते हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

अगर नहीं, तो क्या आपने इस आवेदन के संबंध में आवेदक से सीधी बात की है? हाँ ☐ नहीं ☐

क्या आवेदक के पास इस शिविर में प्रवेश के लिये बिना अपवाद के वे सभी योग्यताएं हैं हाँ ☐ नहीं ☐

(अगर नहीं तो स्पष्टीकरण द)? .....

.....

इस आवेदन के संबंध में आपने आवेदक/आवेदिका से उसके विपश्यना अभ्यास के बारे में विचार-विमर्श किया है? हाँ ☐ नहीं ☐

क्या आपको विश्वास है कि साधक विपश्यना साधना को अच्छी तरह इतना समझता है जिससे वह शिविर में सफल हो सकेगा? हाँ ☐ नहीं ☐

क्या आवेदक यह समझता है कि शिविर की क्या अपेक्षाएं हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

इस आवेदक की सिफ़ारिश कर आप व्यक्तिगत रूप से इस शिविर में बैठने की उसकी योग्यता को प्रमाणित कर रहे ह। ऐसा करने में क्या आप आश्वस्त ह? हाँ ☐ नहीं ☐

अगर आवेदन पत्र स्वीकृत न हुआ तो कृपया कारण बता दें। .....

.....

सहायक आचार्य का नाम:_____

हस्ताक्षरः _____ तिथिः_____

सिफ़ारिश करनेवाले सहायक आचार्य– कृपया सिफ़ारिश एवं हस्ताक्षरित आवेदन पत्र साधक के क्षेत्रोय/स्थानीय आचार्य के पास भेज दें। आवेदन पत्र पर स्पष्ट रूप से **दीर्घ शिविर / आचार्य स्वयं शिविर / विशेष दस दिवसीय शिविर** चिह्नित कर दें।

प्रादेशिक/ समन्वयक क्षेत्रीय आचार्य भरेंगे

क्या आवेदक के पास प्रवेश के लिए सभी आवश्यक योग्यताएं ह? हाँ ☐ नहीं ☐

अगर ऐसा नहीं है तो क्या आपने सिफ़ारिश करनेवाले सहायक आचार्य से विचार-विमर्श कर लिया है? हाँ ☐ नहीं ☐

क्या आप आवेदन पत्र में दी गयी सचनाओं के आधार पर या सिफ़ारिश करने वाले सहायक आचार्य से बातचीत कर संतुष्ट ह कि आवेदक इस शिविर के लिए अच्छी तरह योग्य है? हाँ ☐ नहीं ☐

प्रादेशिक/ समन्वयक क्षेत्रोय आचार्य का नाम:_____

हस्ताक्षरः_____ तिथिः_____

प्रादेशिक/क्षेत्रोय आचार्यः आप कृपया सिफ़ारिश और हस्ताक्षरित आवेदन पत्र जहाँ दीर्घ शिविर/विशेष दस-दिवसीय शिविर होगा उस केन्द्र पर 'आचार्य' के पते पर भेज दें।